



सर बहुत गंदे हैं-5

“मैं अपने पेपर अच्छे करने के लिए सर के साथ कुछ भी करने को तैयार थी. अगले दिन मैं अकेली गयी सर के पास. सर ने मेरे कचिया बदन को कैसे मसला, कैसे मैं कली से फूल बनी ? पढ़ें कहानी !...”

Story By: Rakesh Singh (Rakesh1999)

Posted: Thursday, February 14th, 2019

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [सर बहुत गंदे हैं-5](#)

सर बहुत गंदे हैं-5

अभी तक आपने पढ़ा कि छुट्टी के बाद पेपर करने गई हम दोनों सहेलियां सर के साथ ऑफिस में बैठकर नकल उतार रही थीं. सर ने इसी बीच हम दोनों के जिस्म से खेलना शुरू कर दिया जिसके कारण पंकी उदास हो गयी. मुझे भी सर के विरोध का झूठा ढोंग करना पड़ा लेकिन सर नहीं माने और उन्होंने मेरे मुंह में अपना वीर्य निकाल दिया.

अब आगे :

फिर जब सर पूरी तरह से शांत हो गए तब उन्होंने हम दोनों को घर जाने के लिए बोल दिया।

जब हम लोग स्कूल से कुछ दूर अपने गाँव की ओर चले आए तब पंकी ने मुझे गाली देना शुरू कर दिया. वह मुझ पर बहुत गुस्सा कर रही थी।

मैंने भी उसे धीरे-धीरे समझाना शुरू किया कि मेरी कोई गलती नहीं थी। परीक्षा में मेरे पीछे से किसी ने लव लेटर फेंक दिया था जो मेरे पास आकर गिरा। मैंने अभी उसे खोला ही था कि सर ने आकर मुझे पकड़ लिया अब तू ही बता मैं क्या करती क्योंकि उसमें मेरा नाम भी लिखा था। उनका कहना नहीं मानती तो मुझे तीन साल के लिए सस्पेंड कर देते। मेरी लाइफ बर्बाद हो जाती। फिर सर ने मुझे ब्लैकमेल किया, अगर मैं उनका कहना नहीं मानती तो वह मुझे 3 साल के लिए परीक्षा से बाहर कर देते। मैं समझी थी कि उनका काम हो गया है. मुझे नहीं मालूम था कि वे फिर से हम दोनों के साथ यह सब कुछ करेंगे।

बहुत समझाने के बाद किसी तरह से पंकी मान गई और आज की बात किसी को नहीं बताने की हम दोनों ने कसम ली। फिर कुछ देर बात करते-करते हम लोग जब गाँव के नजदीक आए तो पंकी थोड़ा-थोड़ा ठीक हो चुकी थी और मुझसे ठीक से बात कर रही थी।

अगले दिन जब मैं और पिकी साथ में जा रही थी तब पिकी बहुत कुछ भूल चुकी थी और हम दोनों हँसी खुशी जा रही थी लेकिन मुझे तो अंदर ही अंदर डर था कि पता नहीं आज क्या होगा ?

इसी तरह हम दोनों फिर सेंटर पहुंच गईं.

जब परीक्षा शुरू हो गई तब मैं और पिकी अलग-अलग रूम में थे. कुछ देर के बाद सर ने बाहर से मुझे ऑफिस में आने का इशारा किया। मैं निरीक्षक को पेट खराब होने का बहाना करके जब ऑफिस पहुंची तो वहां पर सिर्फ सर थे, मैडम बाहर गई हुई थी।

सर ने मुझे बहुत प्यार से सोफे पर बैठाया।

मैंने कल के लिए सर को थैंक्स बोला- आपने मेरी सहेली के सामने मेरी बात मान ली, नहीं तो हमारी दोस्ती तो टूटती ही ... साथ ही मेरी सहेली की नजरों में इज्जत भी जाती।

फिर जब सर ने मेरे कोमल अंगों को सहलाना शुरू किया तो मैंने अपने मन का डर उनको बता दिया कि आपको ऊपर-ऊपर जो करना है कर लीजिये लेकिन अंदर मत डालिये, नहीं तो बच्चा हो जाएगा।

सर ने मुझे समझाते हुए कहा- अरे बेटी, डरने की कोई बात नहीं. ऐसे एक ही बार चुदवाने से बच्चा नहीं होता है. बच्चे के लिए तो तुम्हारी चूत से अंडा निकलना जरूरी होता है जो अपने टाइम पर आता है. इसलिए उसकी चिंता मत करो। आजकल तो बहुत सारी गोलियां भी आती हैं. तुम करवाने के बाद कोई गोली खा लेना. बच्चा नहीं होगा. मैं बहुत प्यार से तुम्हें कली से फूल बना दूंगा और इस परीक्षा की तुम टेंशन मत लो. मैं खुद तुम्हारे लिए सभी प्रश्नों के उत्तर लेकर आया हूं. सिर्फ तुम 10 मिनट तक मेरा साथ दो। उसके बाद मैं सभी सवालों के जवाब लेकर आया हूं. वह तुम्हें दे दूंगा. तुम आराम से कॉपी कर लेना. तुम्हें सिर्फ आज भर के लिए मुझे खुश करना है. उसके बाद पूरी परीक्षा तक मैं तुम्हारा पेपर का आंसर खुद बना कर दूंगा, तुम लिख लेना। इस तरह से तुम फर्स्ट क्लास

से पास हो जाओगी.

मैं- सर आप कुछ भी मुझसे करवा लीजिए, मैं सब करने को तैयार हूँ, पर प्लीज़ आप मुझे जल्दी जाने दीजिए, प्लीज़ सर!

मैं जान बूझ कर सर से सटी हुई थी, ताकि मेरे नर्म अंग उनकी बॉडी को महसूस हो जाएं।

मैं- सर प्लीज़ ... आपको जो करना है जल्दी कीजिये क्योंकि मैं पेट खराब होने का बहाना करके आई हूँ।

सर- ठीक है फिर जल्दी से अपनी स्कर्ट उतार दो। मैंने कमरा अंदर से लॉक कर दिया है

और टेंशन मत लो, जरूरत पड़ने पर मैं निरीक्षक को बोल दूँगा कि मैंने रोक लिया था।

मैंने जल्दी से अपना स्कर्ट उतार दिया। तब तक सर ने भी अपने पैंट और अंडरवियर निकाल दिए थे। उनका 8 इंच का लंड खड़ा हो चुका था।

मेरे छोटे-छोटे सेब जैसे टाइट चूचों को देखकर सर की लार टपकने लगी। वह दोनों हाथों से मेरी टाइट चूचियों को मसलते हुए बोले- अच्छा बेटी एक बात बताओ। आज तक इनको किसी ने दबाया है या अपने होंठों में लेकर चूसा है क्या ?

मैं- नहीं सर। आप पहले आदमी हो जिन्होंने इनको हाथ लगाया है।

सर- आह ... कितना भाग्यशाली हूँ मैं जो इन अमरुदों को सबसे पहले चखने का मौका मिला है।

मैं- सर जल्दी-जल्दी कर लो। मुझे लिखना भी है।

सर- ठीक है बेटी, थोड़ा सा चूस लेने दो।

फिर सर मेरे चूचकों को चूसने लगे। मेरे निप्पल बहुत कड़क हो गए थे जिन्हें सर चूस रहे थे। मैं भी गर्म होने लगी थी। मेरी चूत में लग रहा था कि चीटियाँ रेंग रही हैं।

मेरे निप्पल पूरी तरह चूसने से लाल हो चुके थे।

मैं- सर सुना है पहली बार बहुत दर्द होता है ?

सर मुस्कुराते हुए बोले- तुम चिंता मत करो बेटी। हम तुमको बड़े प्यार से चोदेंगे, तुम्हारा पहली बार है ना ... बेटी, थोड़ा मेरे लंड को चूस दो ताकि मेरा लंड और भी चिकना हो जाए ... तभी तो तुम्हारी कुंवारी चूत में आराम से जायेगा.

मैं चुपचाप सर के लंड को मुँह में लेकर चूसने लगी। मैं चाहती थी कि वो जल्दी-जल्दी मुझे फ्री कर दें। लेकिन सर ने मेरे मुँह को ही चोदना शुरू कर दिया. वह मेरे मुँह में ऐसे लंड पेल रहे थे जैसे लग रहा है मेरा मुँह, मुँह नहीं बल्कि मेरी चूत है।

2 मिनट मेरे मुँह को चोदने के बाद उन्होंने अपना लंड मेरे मुँह से निकाल लिया। फिर सर ने मेरी चूचियाँ दोबारा चूसनी शुरू की और मैं मज़े से पागल हो गई। अब मैं सर के लंड को पकड़कर सहलाने लगी। सर ने मेरी चूत पर अपना मुँह लगा दिया और मेरी कुंवारी चूत को अपनी जीभ से चाटने लगे। अब मैं अपनी कमर उठाकर सर के मुँह पर दबाने की कोशिश कर रही थी।

फिर सर ने अपनी थूक से मेरी चूत को गीला कर दिया. फिर मेरी चूत पर अपने लंड का सुपाड़ा रखकर धीरे से दबाया। जैसे ही लंड चूत की झिल्ली के पास पहुँचा, सर ने थोड़ा ज़ोर से धक्का लगाया और मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए, इससे मेरी चीख की आवाज़ दब गई और लंड झिल्ली फाड़ते हुए अंदर घुस गया।

मैं दर्द से छटपटा रही थी और उनको अपने ऊपर से हटाने की कोशिश कर रही थी। फिर सर थोड़ी देर रुके और मेरी चूचियाँ चूसने लगे. थोड़ी देर में मेरा दर्द कुछ कम हुआ और अब सर ने फिर से लंड निकालकर मेरी चूत में वापस पेल दिया और इस बार मुझको थोड़ा मज़ा आया और फिर सर ने चुदाई का सिलसिला चालू किया।

अब तो मेरा दर्द कम हो गया था और मैं भी सर के चूचियाँ चूसने और लंड के धक्कों का

मज़ा ले रही थी। अब मेरे मुँह से मज़े की सिसकारियाँ निकल रही थीं और जल्द ही मैं अपनी कमर हिलाने लगी. सर के धक्कों का जवाब देने लगी. सर भी हैरान हो गए कि पहली चुदाई में ही मैं किसी एक्सपर्ट की तरह चुदवा रही थी। वो समझ गए कि ये आगे चलकर मस्त रंडी की तरह चुदक्कड़ निकलेगी. ये सोचकर सर गर्म हो गए और ज़ोर-ज़ोर से धक्के मारने लगे।

फिर मैं चिल्लाई- हाय ... सर मैं तो गइइइई ... आऽऽऽहहह उफ़फ़ ...
और मैंने कामुक सिसकारियों के साथ ही अपनी चूत का पानी छोड़ दिया।

सर के मोटे लंड का घर्षण मेरी चूत में जब हो रहा था तो मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं उनके इस लंड से चुदती ही रहूँ. बहुत मज़ा आ रहा था मुझे. फिर सर ने मुझे टेबल के साथ में खड़ा कर लिया और मेरी एक टांग को ऊपर उठा दिया. उसके बाद सर ने मेरी चूचियों को फिर से पीना शुरू कर दिया. मेरी चूचियों में अब और ज्यादा तनाव आ गया था. सर मेरे निप्पलों को काटने में लगे हुए थे. जब उनके दांत मेरी निप्पलों को दबाते थे तो मैं पागल सी हो उठती थी. बहुत मज़ा दे रहे थे सर. उम्र में वो काफी बड़े थे लेकिन उनके साथ सेक्स करने में जो मज़ा आ रहा था वो मैंने कभी सोचा भी नहीं था.

उसके बाद सर ने मेरे चूचों को छोड़कर फिर से अपने लंड को मेरी चूत पर लगा दिया. सर मेरी चूत पर अपने लंड को रगड़ने लगे. जल्दी ही उनका लंड फिर से तन गया और उन्होंने मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिये. नीचे से उन्होंने अपने हाथ से लंड को पकड़ कर मेरी चूत के छेद पर रख दिया और टेबल की तरफ जैसे ही धक्का दिया उनका लंड गच्च से अंदर चला गया. उसके बाद उन्होंने मेरी जबरदस्त तरीके से चुदाई शुरू कर दी.

उनके शरीर के भार और धक्कों के फोर्स के कारण पूरी टेबल सरकने लगी थी. मैं तो मजे में जैसे पागल ही हो गई थी. सर मेरी चूत को टांग उठाकर चोदे ही जा रहे थे. मैं उनके सर को पकड़कर अपने चूचों में दबाए जा रही थी. बहुत मज़ा आ रहा था. उनके मोटे लंड की

चुदाई से मैं दूसरी बार झड़ गई. उसके बाद सर की स्पीड भी थोड़ी और तेज हो गई.

वह मेरी चूत में जोर-जोर से धक्के मारने लगे और एकदम से उनकी गति रुकने लगी. तभी सर भी कहने लगे- ओह्ह्ह्ह्ह्ह ... मेरी जाऽऽन ... आह्ह्ह्ह ... इतना कहकर सर भी झड़ने लगे और अपना वीर्य मेरी चूत में छोड़ दिया। फिर वो अपना लंड निकालकर मेरी साइड में लेट गए।

थोड़ी देर बाद जब हम दोनों सामान्य हुए तो मैं उठी और मैंने सर के लंड पर खून देखा और झुक कर अपनी चूत में हाथ लगाया, मेरा हाथ भी वीर्य और खून से लाल था।

मैं बोली- सर देखिए, आपने मेरी चूत फाड़ दी!

वो मुस्कराते हुए बोले- बेटी ये तो सब लड़कियों के साथ होता है। बधाई हो, अब तुम कच्ची कली से फूल बन गई हो!

यह कहकर सर ने मुझे चूम लिया।

फिर मुझे उन्होंने समझा दिया. पहली बार में थोड़ा-बहुत खून निकलता है. किसी प्रकार का टेंशन मत लो. फिर उन्होंने आज के पेपर का आंसर मुझे दे दिया और मैं अपने क्लास रूम में चली गई. वहां जाकर मैं जल्दी-जल्दी आन्सर कॉपी करने लगी। उन्होंने भी अपना वादा निभाया और रोज मुझे आंसर देते रहे। मैं हर पेपर में उन्हीं के द्वारा बताए गए आन्सर को लिखने लगी.

मेरा काम बहुत आसान हो गया था. देखते ही देखते मेरे सारे पेपर हो गए और मैं काफी खुश भी थी.

उसके बाद जब रिजल्ट आया तो मेरी खुशी और भी ज्यादा बढ़ गई.

भगवान का शुक्र और सर की मेहरबानी से मैं परीक्षा में फर्स्ट क्लास से पास हुई। घरवाले बहुत खुश थे। पिकी भी सेकेंड क्लास से पास हुई थी। मेरी अधिकतर सहेलियाँ जल भुन गई थीं. मैं अपनी इस सफलता पर फूली नहीं समा रही थी. बहुत अच्छा लग रहा था

लेकिन मैं ही जानती थी कि फर्स्ट क्लास के लिए मैंने क्या कीमत चुकाई थी.

यह थी मेरी कच्ची जवानी की पहली चुदाई की कहानी. यह कहानी आप लोगों को कैसी लगी इस बारे में मुझे अवश्य लिखें. मेरा ईमेल आईडी नीचे दिया गया है। मुझे आप लोगों की प्रतिक्रिया का इंतजार रहेगा.

singh.rakesh787@gmail.com

Other stories you may be interested in

अतृप्त वासना का भंवर-4

आपने अब तक की कहानी में पढ़ा था कि मैं सुखबीर के साथ सम्भोग करने में लगी थी. अब आगे.. करीब 2 से 5 मिनट होने चले थे और सुखबीर के शरीर से पसीना बहने लगा था. मैं अपनी मस्ती [...]

[Full Story >>>](#)

सर बहुत गंदे हैं-4

मेरी जवानी की कहानी के तीसरे भाग में आपने पढ़ा कि मैं एग्जामिनर के साथ कमरे में थी, मेरी पक्की सहेली भी मेरे साथ थी. सर मुझे नंगी करने लगे थे. अब आगे : “चल ... टेबल पर झुक जा ... [...]

[Full Story >>>](#)

दिल मिले और गांड चूत सब चुदी-1

मेरा नाम अजय है. कॉलेज के दिनों में मैं और मेरा एक दोस्त फ्लैट में रहते थे. वो उपिंदर, हट्टा कट्टा सरदार, चौड़ा सीना मज़बूत जांघें और शानदार बदन. मुझे वो अच्छा लगता था. मैं हूँ तो लड़का पर ... [...]

[Full Story >>>](#)

अतृप्त वासना का भंवर-3

आपने अब तक की कहानी में पढ़ा था कि मेरी सहेली प्रीति के अपनी बहन के घर चले जाने के बाद से उसके पति सुखबीर ने मेरे जिस्म के ढके हुए हिस्सों को कामुकता से देखने के प्रयास तेज कर [...]

[Full Story >>>](#)

जीजा से साली पहली बार ट्रेन में चुद गयी

नमस्कार प्रिय पाठको, आप सब कैसे हैं. मैं आशा करती हूँ कि आप सभी अच्छी तरह से होंगे.. सब कुशल मंगल होगा. मैं आशा करती हूँ कि मेरी कहानी आपको पसंद आएगी. मेरा नाम प्रीति जैन है और मैं चेन्नई [...]

[Full Story >>>](#)

